डिजिटल संस्करण
केशव टाइम्स
21 दिसंबर 2025
रविवार

खेलकूद से होता है सकारात्मक प्रतिस्पर्द्धा का विकास : राहुल सिंह
2

एक नजर

बिहार में एचआईवी पॉजिटिव मरीजों के लिए खुलेंगे पांच और नए एआरटी सेंटर

पटना। बिहार के एचआईवी पॉजिटिव मरीजों के लिए राहत की खबर है। अब उन्हें इलाज के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। पटना समेत कई जिलों में जल्द ही नए एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) सेंटर खोले जाएंगे। इससे एचआईवी संक्रमित लोगों को एआरटी दवाएं और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं आसानी से उपलब्ध होंगी। सरकार इस दिशा में तेजी से काम कर रही है। साल के अंत तक बिहार में पांच नए एआरटी सेंटर शुरू किए जाएंगे, जिससे राज्य में एआरटी सेंटरों की कुल संख्या बढ़कर 34 हो जाएगी। फिलहाल 26 जिलों में 29 एआरटी सेंटर संचालित हैं। वर्ष 2021 के बाद राज्य में 15 नए अफ्ळ सेंटर खोले जा चुके हैं। फिलहाल बिहार के पटना, कटिहार, पूर्णिया, खगड़िया, बेगूसराय, दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, मोतिहारी, सीतामढ़ी, आरा, छपरा, जमुई, मुंगेर, भागलपुर, बांका, मुजफ्फरपुर, बेतिया, वैशाली, समस्तीपुर, नालंदा, गया, औरंगाबाद और रोहतास में अफ्ळ सेंटर मौजूद है। वहीं लिंक अफ्ळ सेंटर वाले जिलों में अररिया, मधेपुरा, सहरसा, लखीसराय, शेखपुरा, नवादा, शिवहर और जहानाबाद शामिल हैं।

सरकार के जी राम जी विधेयक पर कांग्रेस का प्रदर्शन, रविवार को त्रिपुरा में विरोध

नई दिल्ली। विपक्षी कांग्रेस रविवार को पूरे त्रिपुरा में केंद्र सरकार के 20 साल पुराने मनरेगा को वीबी-जी राम जी करने के विरोध में प्रदर्शन करेगी। कर्नाटक में सत्ताधारी कांग्रेस ने आज मनरेगा को बदलने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसी के साथ नेशनल हेराल्ड मामले में भी भाजपा पर "नफरत की राजनीति" का आरोप लगाया।वरिष्ठ कांग्रेस विधायक सुदीप रॉय बर्मन ने शनिवार को कहा, "कांग्रेस को नाम में 'राम' से कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन जिस तरह से ऐतिहासिक कानून से महात्मा गांधी का नाम हटाया गया है, वह मंजूर नहीं है। न सिर्फ. राष्ट्रपिता का नाम हटाया गया, बल्कि एनडीए सरकार ने करोड़ों जॉब कार्ड धारकों के अधिकार भी छीन लिए।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 बनेगा देश के आर्थिक पुनर्जागरण का नया अध्याय

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत एक ऐसे ऐतिहासिक क्षण के द्वार पर खड़ा है, जो केवल एक खेल उपलब्धि से कहीं बड़ा है। वर्ष 2030 में होने वाले ऐतिहासिक शताब्दी संस्करण के कॉमनवेल्थ गेम्स ऐसे समय में आयोजित होने जा रहे हैं, जब भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। हमारे शहर तीव्र गति से आधुनिक हो रहे हैं और वैश्विक मंच पर भारत का आत्मविश्वास लगातार सुदृढ़ हो रहा है। इन खेलों की मेजबानी केवल एक औपचारिक सम्मान नहीं है, बल्कि यह एक रणनीतिक आर्थिक अवसर है। यह भारत को मात्र पांच वर्षों की संक्षिप्त अवधि में बुनियादी ढांचे के तीव्र विकास, शहरी परिवर्तन, पर्यटन विस्तार, रोजगार सृजन और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नई गति देने में सक्षम बनाएगा। वैश्विक अनुभव यह दर्शाता है कि जब बड़े खेल आयोजन किसी देश के विकास चक्र के साथ सही तालमेल में होते हैं, तो वे बहुगुणकीय आर्थिक प्रभाव उत्पन्न करते हैं। भारत कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की ओर सिद्ध क्षमता और सफल आयोजन के आत्मविश्वास के साथ बढ़ रहा है। 2030 के खेलों की मेजबानी करने वाला अहमदाबाद शहर उसी शहरी गति का प्रतिनिधित्व करता है, जिसे ऐसे भव्य आयोजन और अधिक सशक्त बना सकते हैं। पहले से मौजूद विश्वस्तरीय खेल अवसंरचना, बढ़ती मेट्रो कनेक्टिविटी, सुदृढ़ होते सड़क नेटवर्क और विकसित होता आतिथ्य व सम्मेलन पारिस्थितिकी तंत्र, ये सभी शहर को इस स्तर के आयोजन के लिए संरचनात्मक रूप से सुदृढ़ बनाते हैं। आने वाले वर्षों में शहरी गतिशीलता, आवास, सार्वजनिक स्थलों और नागरिक सुविधाओं में तेजी से उन्नयन होगा, जिससे खेलों के बाद भी नागरिकों को दीर्घकालिक लाभ मिलता रहेगा।

खेल विकास पारिस्थितिकी तंत्र को मिलेगी मजबूती

ॉमनवेल्थ गेम्स 2030 भारत के खेल विकास पारिस्थितिकी तंत्र को भी नई मजबूती प्रदान करेगा। खेलो इंडिया, टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम, टैलेंट आइडेंटिफिकेशन जैसी योजनाओं तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से खेल विज्ञान, उच्चस्तरीय कोचिंग, खिलाड़ी सहयोग प्रणालियों, चिकित्सा देखभाल और अंतरराष्ट्रीय अनुभव में निवेश और अधिक सुदृढ़ होगा। इस दृष्टि से ये खेल न केवल भारतीय खेल प्रतिभा का प्रदर्शन होंगे, बल्कि देश के दीर्घकालिक हाई-परफॉर्मेंस खेल तंत्र का एक सशक्त स्तंभ भी बनेंगे।

महाराष्ट्र के 23 नगर निकायों में मतदान संपन्न

एजेंसी। मुंबई

मुंबई महाराष्ट्र के 23 नगर निकायों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों, में अध्यक्ष और सदस्यों के पदों के लिए मतदान शनिवार को शाम 5.30 बजे शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। इसके साथ ही इन निकायों में सदस्यों के 143 रिक्त पदों के लिए भी वोट डाले गए। सुबह 7.30 बजे शुरू हुए मतदान में दोपहर तक 47.04 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। राज्य चुनाव आयोग के अनुसार अंतिम मतदान प्रतिशत रविवार को जारी किया जाएगा। इन चुनावों में पुणे जिले की बारामती और ठाणे जिले की अंबरनाथ जैसी प्रमुख नगर परिषदें भी शामिल रहीं। नासिक जिले के सिन्नर, ओझर और चांदवड़ की छह वार्डों में औसतन 49.47 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इसी दौरान सिन्नर के वार्ड नंबर 2 में एक 25 वर्षीय युवक को फर्जी आधार कार्ड के जरिए अपने भाई के नाम पर वोट डालने की कोशिश करते हुए हिरासत में लिया गया। राज्य चुनाव आयोग ने बताया कि 2 दिसंबर को हुए पहले चरण सहित कुल 286 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के मतों की गिनती 21 दिसंबर (रविवार) सुबह 10 बजे से शुरू होगी। पहले चरण में 263 नगर परिषदों और नगर पंचायतों में मतदान हुआ था। कुछ स्थानों पर चुनाव बिना मुकाबले के संपन्न हुए।

खराब मौसम के कारण नादिया रैली को पीएम ने किया वर्चुअली

बंगाल को जंगलराज से मुक्त होना होगा : पीएम

❍ पीएम मोदी ने बंगाल को दिया 3200 करोड़ रुपये का सौगात

एजेंसी। कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को पश्चिम बंगाल के तहेरपुर हेलीपैड पर उतरने की कोशिश में असफल रहे। अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में घने कोहरे के कारण दृश्यता बहुत कम थी, जिससे पीएम का हेलीकॉप्टर कुछ समय हेलीपैड के ऊपर मंडराने के बाद वापस कोलकाता हवाई अड्डे लौट गया। उन्होंने एयरपोर्ट से ही वर्चुअली संबोधन किया। उन्होंने खराब मौसम के कारण रैली स्थल तक नहीं पहुंच पाने पर लोगों से माफी भी मांगी। प्रधानमंत्री ने रैली में शामिल होने जा रहे तीन भाजपा कार्यकताओं की ट्रेन हादसे में मौत की सूचना पर गहरा दुख जताया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में केंद्र सरकार पीड़ित परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। पीएम मोदी ने सभा को वर्चुअली संबोधन में महान साहित्यकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को नमन करते हुए कहा कि वंदे मातरम ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष का मंत्र था। पीएम मोदी ने कहा वंदे मातरम को राष्ट्र निर्माण का मंत्र बनाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार देश के नागरिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। उन्होंने कहा कि जीएसटी ने बंगाल समेत पूरे देश के लोगों को बड़ी राहत दी है और दुर्गा पूजा और अन्य त्योहारों के दौरान देशभर के लोग इससे काफी लाभान्वित हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया कि बंगाल में घुसपैठियों को टीएमसी का संरक्षण प्राप्त है। पीएम ने कहा कि गंगा बिहार से होकर बंगाल तक जाती है और बिहार ने बंगाल को रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि बंगाल को जंगलराज से मुक्त होना होगा। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि वे पूरे दिल से बंगाल के लोगों के लिए समर्पित हैं और राज्य के लिए फंड और नीतियों की कोई कमी नहीं है।

बंगाल में डबल इंजन सरकार बनने दें

प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कई विकास परियोजनाएं राज्य सरकार की वजह से लंबित पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि अगर टीएमसी भाजपा का विरोध करना चाहती है तो करे, लेकिन राजनीतिक फायदे के लिए विकास को रोके जाने की बात समझ से बाहर है। पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि वे भाजपा को एक मौका दें, डबल इंजन सरकार बनने दें और भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार बंगाल के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध रहेगी। पीएम मोदी ने अपने संबोधन से पहले 3,200 करोड़ रुपये के नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन भी किया। पीएम मोदी सुबह करीब 10.40 बजे दिल्ली से कोलकाता पहुंचे थे। वहां से हेलिकॉप्टर से ताहिरपुर रवाना हुए। लेकिन, घने कोहरे के कारण हेलिकॉप्टर कुछ देर तक हेलीपैड के ऊपर मंडराने के बाद वापस कोलकाता लौट गया।

बंगाल को 3200 करोड़ रुपये की दी सौगात

गौरतलब है कि अपने बंगाल दौरे पर प्रधानमंत्री करीब 3,200 करोड़ रुपये की दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। नदिया जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-34 के बरजागुली-कृष्णानगर सेक्शन के 66.7 किलोमीटर लंबे फोर-लेन का उद्घाटन और उत्तर 24 परगना जिले में 17.6 किलोमीटर लंबे बारासात-बरजागुली सेक्शन के फोर-लेन का शिलान्यास किया। अधिकारियों ने बताया कि इन परियोजनाओं से कोलकाता और सिलीगुड़ी के बीच एक महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी लिंक बनने की उम्मीद है, जिससे राज्य के दक्षिणी और उत्तरी हिस्सों में व्यापार, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

जस्टिस स्वामीनाथन केस : महाभियोग की कोशिश पर 36 पूर्व जज भड़के

एजेंसी। नई दिल्ली

मद्रास हाईकोर्ट के जज जस्टिस जी. आर. स्वामीनाथन के खिलाफ महाभियोग लाने की विपक्षी कोशिश पर देश के 36 पूर्व न्यायाधीशों ने कड़ी आपत्ति जताई है। पूर्व जजों ने इसे न्यायपालिका की स्वतंत्रता और लोकतंत्र की जड़ों पर सीधा हमला बताते हुए संसद सदस्यों और आम जनता से इस कदम की खुलकर निंदा करने की अपील की है। पूर्व न्यायाधीशों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि अगर इस तरह की कोशिशों को आगे बढ़ने दिया गया, तो इससे न्यायाधीशों को राजनीतिक और वैचारिक दबाव में काम करने के लिए मजबूर किया जाएगा, जो संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। संयुक्त बयान में कहा गया कि यह कदम उन जजों को डराने की कोशिश है, जिनके फैसले किसी खास राजनीतिक या वैचारिक समूह की अपेक्षाओं से मेल नहीं खाते। पूर्व न्यायाधीशों ने कहा लोकतंत्र में फैसलों की परीक्षा अपील और कानूनी समीक्षा से होती है, न कि महाभियोग की धमकियों से। उन्होंने जोर देकर कहा कि न्यायाधीश संविधान और अपनी शपथ के प्रति जवाबदेह होते हैं, न कि किसी राजनीतिक दल के दबाव के प्रति। बयान में यह भी कहा गया कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। पूर्व जजों ने 2018 में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा के खिलाफ महाभियोग की कोशिश और बाद में तत्कालीन सीजेआई रंजन गोगोई, एस. ए. बोबडे और डी. वाई. चंद्रचूड़ के खिलाफ चलाए गए अभियानों का भी जिक्र किया। उन्होंने मौजूदा सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत के खिलाफ हो रहे हमलों को भी इसी खतरनाक प्रवृत्ति का हिस्सा बताया। पूर्व न्यायाधीशों ने सांसदों, वकीलों, नागरिक समाज और आम नागरिकों से अपील की कि वे इस तरह की कोशिशों का एकजुट होकर विरोध करें, ताकि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और संवैधानिक लोकतंत्र सुरक्षित रह सके।

मनरेगा पर सरकार ने मनमाने तरीके से चलाया बुलडोजर

एजेंसी/नई दिल्ली

मनरेगा की जगह लाए गए वीबी-जी राम जी विधेयक संसद से पारित होने के बाद भी इसका विरोध फिलहाल थमता नजर नहीं आ रहा। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने आरोप लगाया है कि मनमाने तरीके से कानून पारित कर सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया है। जी राम जी को काला कानून बताते हुए इसके खिलाफ कांग्रेस की लड़ाई में शामिल होने की प्रतिबद्धता भी जताई। शीत सत्र समाप्त होने के एक दिन बाद शनिवार को एक वीडियो संदेश में सोनिया गांधी ने मनरेगा को खत्म करने के लिए सरकार पर तीखा प्रहार किया। कहा कि मुझे आज भी याद है, जब 20 साल पहले डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब संसद में मनरेगा कानून आम राय से पारित किया गया था। यह ऐसा क्रांतिकारी कदम था, जिसका फायदा करोड़ों ग्रामीण परिवारों को मिला। खासतौर पर वंचित, शोषित, गरीब और अति गरीब लोगों के लिए रोजी-रोटी का जरिया बना। इससे रोजगार के लिए अपनी माटी, अपना गांव, अपना घर-परिवार छोड़कर पलायन करने पर रोक लगी। रोजगार का कानूनी हक दिया गया। ग्राम पंचायतों को ताकत मिली।

राजपुर में योजनाओं की जमीनी हकीकत पर गरजे विधायक, अधिकारियों को दिखाई सख्ती

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड सभा कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक उस समय बेहद तीखी और प्रभावशाली बन गई, जब विधायक संतोष कुमार निराला ने सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत को लेकर अधिकारियों को सीधे कटघरे में खड़ा कर दिया। विधायक ने साफ शब्दों में कहा कि सरकार की कोई भी योजना कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उसका लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंचे। लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। बैठक में विभिन्न विभागों से बिंदुवार प्रगति रिपोर्ट मांगी गई।

बीडीओ सिद्धार्थ कुमार ने प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छता अभियान और कचरा प्रबंधन से जुड़ी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पीएम आवास के लिए 20,252 नाम सर्वे में आए हैं, जिनकी जांच के बाद आगे की प्रक्रिया चल रही है। वहीं 17 पंचायतों में कचरा प्रबंधन हाउस बने होने की जानकारी दी गई।

आंगनबाड़ी और पंचायत भवन पर नाराजगी

सीडीपीओ श्वेता सिंह ने आंगनबाड़ी भवन निर्माण और बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी, लेकिन एक साल में भी भवन पूरा नहीं होने पर विधायक ने गहरी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने इसे खेदजनक बताते हुए समय पर कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। बीपीआरओ अभिषेक पाठक ने पंचायत सरकार भवन की प्रगति बताई, हालांकि कुछ पंचायतों में जमीन और अन्य अड़चनों के कारण कार्य लंबित है।

बिजली, सिंचाई और सड़क बना बड़ा मुद्दा

बिजली विभाग ने फीडर, ट्रांसफार्मर और लो वोल्टेज की समस्या बताई। विधायक ने किसानों के लिए पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और सिंचाई में किसी भी तरह की बाधा नहीं आने देने का सख्त निर्देश दिया। पथ निर्माण विभाग पर भी विधायक ने नाराजगी जताते हुए प्रमुख सड़कों की मरम्मत और बायपास निर्माण में तेजी लाने को कहा।

धान अधिप्राप्ति और किसानों का आक्रोश

धान अधिप्राप्ति नहीं होने पर विधायक ने कड़ा रुख अपनाया। किसान नेताओं ने बिचौलियों द्वारा सस्ते दाम पर धान खरीदने का आरोप लगाया। सभा कक्ष में मौजूद किसानों ने जोरदार आवाज उठाकर अपनी समस्याएं रखीं।

राजस्व और सामाजिक योजनाओं पर सवाल

भूमिहीनों को परचा वितरण, जमाबंदी लॉक, दाखिल-खारिज और मापी में गड़बड़ी को लेकर भी ग्रामीणों ने शिकायतें कीं। कुछ वक्ताओं ने बिना ह्यचढ़ावेह्ल के काम नहीं होने जैसे गंभीर आरोप लगाए, जिस पर विधायक ने जांच और सुधार के संकेत दिए। बैठक के अंत में अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि सभी योजनाओं को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारा जाएगा।

धरौली में बाबू राजमोहन सिंह मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य आगाज, सिवान ने पहले मुकाबले में मारी बाजी

खेलकूद से होता है सकारात्मक प्रतिस्पर्द्धा का विकास : राहुल सिंह

- **विजेता को मिलेगा पांच लाख व उप विजेता को 2.51 लाख का नगद इनाम**

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

धरौली गांव का जोगीबीर बाबा खेल मैदान शनिवार को खेल, जोश और जनउत्साह का साक्षी बना, जब बाबू राजमोहन सिंह मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ हुआ। हरे-भरे मैदान, दर्शकों की तालियों की गूंज और खिलाड़ियों की ऊर्जा ने माहौल को पूरी तरह उत्सवमय बना दिया। जैसे ही अतिथियों ने मैदान में कदम रखा, खेल प्रेमियों का उत्साह चरम पर पहुंच गया। उद्घाटन समारोह में शाहपुर विधायक राकेश विशेश्वर ओझा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उनके साथ डुमरांव अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार, एसएसबी के डिप्टी कमांडेंट संतोष कुमार और डुमरांव एसडीपीओ पोलस्त कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका हौसला बढ़ाया और प्रतीकात्मक रूप से गेंद को किक मारकर टूर्नामेंट का विधिवत शुभारंभ किया। इस पल के साथ ही मैदान तालियों और नारों से गूंज उठा।

पहले ही दिन दिखा रोमांच

टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में पुराना भोजपुर और सिवान की टीमें आमने-सामने थीं। मुकाबला शुरू होते ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। खेल के हर मिनट में रोमांच बना रहा, लेकिन अंततः सिवान की टीम ने एकमात्र निर्णायक गोल दागकर पुराना भोजपुर को 1-0 से पराजित कर दिया। यह गोल दर्शकों के लिए किसी जश्न से कम नहीं था। खिलाड़ियों की फुर्ती, पासिंग और रणनीति ने यह साफ कर दिया कि टूर्नामेंट आने वाले दिनों में और भी रोमांचक होने वाला है।

खेल से मिलती है पहचान और भविष्य

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक राकेश ओझा ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि युवाओं के लिए पहचान और भविष्य का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज केंद्र और राज्य सरकारें खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार, प्रशिक्षण और सरकारी नौकरियों तक के अवसर उपलब्ध करा रही हैं। इससे युवाओं में खेलों के प्रति नई ऊर्जा और समर्पण देखने को मिल रहा है।

जयंती से जुड़ी परंपरा

आयोजनकर्ता सह डुमरांव विधायक राहुल सिंह ने बताया कि यह टूनार्मेंट हर वर्ष बाबू राजमोहन सिंह की जयंती के अवसर पर आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता न केवल खेल को बढ़ावा देती है, बल्कि क्षेत्र में आपसी भाईचारे और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को भी मजबूत करती है। उन्होंने जानकारी दी कि टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला 26 दिसंबर को खेला जाएगा। विजेता टीम को 5 लाख रुपये नकद के साथ आकर्षक कप, जबकि उपविजेता टीम को 2 लाख 51 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

आगे भी रहेगा खेल का रोमांच

आयोजकों के अनुसार रविवार को दूसरे दिन कंचनपुर वाकुरा कोलकाता की टीम और गाजीपुर इलेवन उत्तर प्रदेश के बीच मुकाबला खेला जाएगा, जिसे लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है। मैच का सफल संचालन पटना से आए मुख्य रेफरी शशि कुमार सुमन ने किया। उनके साथ सहायक रेफरी संतोष पांडेय, मो. सलाम और ऑफिशियल रेफरी जनार्दन सिंह रहे। उद्घोषणा की जिम्मेदारी मिथुन कुमार यादव और मनीष उपाध्याय ने संभाली, जिनकी आवाज ने मैदान के रोमांच को और बढ़ा दिया।इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता इंद्रजीत बहादुर सिंह उर्फ चुनु जी, रमेश सिंह, मुखिया सतेंद्र कुमार सिंह, ब्लॉक प्रमुख मुना सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, गणमान्य लोग और खेल प्रेमी मौजूद रहे। कुल मिलाकर धरौली में शुरू हुआ यह टूनार्मेंट न केवल खेल प्रतियोगिता, बल्कि उत्सव और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक बनकर उभरा

स्कूल वैन पलटी, ग्रामीणों की तत्परता से टला बड़ा हादसा

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी थाना क्षेत्र के काजीपुर काशी दास बाबा मंदिर के समीप शनिवार की सुबह एक ऐसा हादसा हुआ, जिसने एक बार फिर स्कूली बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। नया भोजपुर स्थित एक निजी स्कूल की मैजिक वाहन, जिसमें दर्जनों स्कूली बच्चे सवार थे, अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। हादसा इतना भयावह था कि पल भर के लिए इलाके में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन सौभाग्यवश सभी बच्चे सुरक्षित बचा लिए गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह करीब सात बजे मैजिक वाहन काजीपुर पंचायत से बच्चों को लेकर स्कूल की ओर जा रही थी। जैसे ही वाहन काशी दास बाबा मंदिर के पास पहुँची, अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क से फिसलते हुए खाई में पलट गई। पलटते ही वाहन के अंदर बच्चों की चीख-पुकार गूंज उठी, जिसे सुनकर आसपास के ग्रामीण दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने बिना किसी देरी के पलटी हुई वाहन को घेर लिया और एक-एक कर सभी बच्चों को बाहर निकाला। इस दौरान कुछ बच्चों को हल्की चोटें आईं, लेकिन किसी के भी गंभीर रूप से घायल न होने से सभी ने राहत की सांस ली। काजीपुर पंचायत के मुखिया इम्तियाज अंसारी ने बताया कि यदि ग्रामीण समय पर नहीं पहुँचते तो बड़ा हादसा हो सकता था। हैरानी की बात यह रही कि हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि चालक ने स्टेयरिंग फेल होने की बात कही थी, लेकिन हादसे के बाद उसका फरार होना संदेह पैदा करता है। सूचना मिलते ही सिमरी थाना की पुलिस मौके पर पहुँची। थाना के पुलिस पदाधिकारी अर्जुन कुमार सिंह ने बताया कि वाहन दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिला है, जबकि चालक मौके पर नहीं था। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रफ्तार का कहर : पटना-बक्सर फोरलेन सड़क पर दो ट्रेलरो की टक्कर, एक चाट में गिरी, दुकान में जा घुसी दूसरी

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग 922 पर शुक्रवार की रात रफ्तार का कहर देखने को मिला। यह घटना रात करीब 10.30 बजे दलसागर टोल प्लाजा के समीप की है। इस घटना में जान-माल की क्षति नहीं हुई है। हालांकि, सड़क किनारे स्थित एक चाय व किराने की दुकान पूरी तरह से टूट गई है, वहीं दोनों वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए है। जानकारी के अनुसार टोल प्लाजा के समीप पहले से 18 चक्के वाला एक टेज्लर खड़ा था, रात करीब 10.30 बजे पीछे से तेज रफ्तार में आ रही दूसरी टेज्लर का चालक अचानक नियंत्रण खो दिया तथा सामने खड़ी वाहन में जोरदार टक्कर मार दिया। इस घटना में जहां, टक्कर लगने के बाद पहले से खड़ी टेज्लर चाट में पलट गई, वहीं टक्कर मारने के बाद दूसरी टेज्लर सड़क किनारे स्थित कृष्णा चाय व किराने दुकान में जा घुसी। जिस कारण दुकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है तथा दुकानदार को हजारों रूपए की क्षति पहुंचा है। दोनों वाहनों के चालक व सह चालक सुरक्षित बताए जा रहे है। इसकी जानकारी मिलते ही औद्योगिक थाने की पुलिस मौके पर पहुंची तथा मामले की जांच में जुट गई। पुलिस ने दोनों वाहनों को अपनी अभिरक्षा में ले लिया है। बता दें कि बक्सर-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग पर इन दिनों वाहन दुर्घटना की संख्या काफी बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि परिवहन नियमों का उल्लंघन तथा वाहनों की तेज रफ्तार दुर्घटना की बड़ी कारण मानी जा रही है।

भूमि विवाद को लेकर जनता दरबार, पड़े छह मामलों में मौके पर तीन का निष्पादन

केटी न्यूज/बक्सर

भूमि से जुड़े विवादों के त्वरित समाधान के उद्देश्य से शनिवार को प्रखंड सभागार भवन में जनता दरबार का आयोजन किया गया। राजस्व पदाधिकारी उद्धव मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित इस दरबार में कुल छह मामलों की सुनवाई की गई। इनमें से मौके पर तीन मामलों का निष्पादन अधिकारियों द्वारा कर दिया गया, जबकि अन्य तीन मामलों में कागजात अधूरे पाए जाने पर अगली तिथि निर्धारित कर आगे की सुनवाई का निर्देश दिया गया।

जनता दरबार में राजस्व विभाग के कर्मी मौजूद रहे। अधिकांश मामले पारिवारिक भूमि बंटवारे और सीमांकन से जुड़े थे। अधिकारियों ने दोनों पक्षों की दलीलें विस्तार से सुनीं और प्रस्तुत दस्तावेजों की गहन जांच की। जिन मामलों में जरूरी कागजात अधूरे पाए गए, उन्हें संबंधित पक्षों को अगली सुनवाई में आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने की हिदायत दी गई।

राजस्व पदाधिकारी मिश्रा ने कहा कि भूमि विवादों के निपटारे को प्रशासन प्राथमिकता के आधार पर ले रहा है, ताकि अनावश्यक तनाव और आपसी टकराव से बचा जा सके। उन्होंने आमजन से अपील की कि विवाद की स्थिति में सीधे संघर्ष में पड़ने के बजाय जनता दरबार जैसे मंचों का उपयोग करें, जहां निष्पक्ष और समयबद्ध समाधान प्रदान किया जाता है।

प्रशासन का यह प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते भूमि विवादों पर रोक लगाने और लोगों को न्याय दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ब्रह्मपुर प्रखंड कार्यालय में डीएम साहिला ने की समीक्षा एक सप्ताह में जनशिकायतों के निष्पादन का निर्देश

- **बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर परिसर के विकास व अवैध दुकानों पर भी चला प्रशासनिक डंडा**

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी साहिला ने शनिवार को ब्रह्मपुर प्रखंड कार्यालय में प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जन शिकायतों से जुड़े सभी मामलों का निष्पादन एक सप्ताह के भीतर हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम ने सीडब्ल्यूजेसी, अधियाचित प्रतिवेदन, विधायी प्रश्न, सीपी ग्राम, आरटीआई, सीएम डैशबोर्ड एवं लोक शिकायत से संबंधित मामलों को भी एक सप्ताह के अंदर निष्पादित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को नियमित अनुश्रवण कर लंबित मामलों की समीक्षा करने को कहा।

बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी ब्रह्मपुर को निर्देशित किया गया कि आगामी पांच फरवरी तक प्रखंड के किसी एक पंचायत में सभी विभागीय योजनाओं का अधिष्ठापन कर उसे मॉडल पंचायत के रूप में विकसित किया जाए। वहीं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करने, शिक्षकों की उपस्थिति का अनुश्रवण करने तथा विद्यालयों में हो रहे आधारभूत संरचना कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। अंचलाधिकारी ब्रह्मपुर को सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु एक सप्ताह के भीतर भूमि प्रस्ताव भेजने, परिमार्जन एवं अन्य लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया। मनरेगा के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि प्रखंड में मनरेगा से बनने वाले खेल मैदानों में से किसी एक को मॉडल खेल मैदान के रूप में विकसित किया जाए। यंग प्रोफेशनल को पंचायत सरकार भवन, कन्या विवाह मंडप, खेल मैदान सहित अन्य निमार्णाधीन आधारभूत संरचनाओं का स्थल निरीक्षण कर उन्हें बेहतर बनाने के सुझाव प्रस्तुत करने को कहा गया। वहीं नगर पंचायत ब्रह्मपुर के कार्यपालक पदाधिकारी को नगर क्षेत्र को कचरा मुक्त कराने हेतु ठोस कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव को वार्ड पार्षदों के साथ स्थल पर बैठक कर रणनीति बनाने को कहा गया।

बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर का निरीक्षण

समीक्षा बैठक के बाद डीएम साहिला ने बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर परिसर में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी डुमरांव, विशेष कार्य पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी तथा पर्यटन विभाग के अभियंता मौजूद रहे। डीएम ने मंदिर परिसर में अवस्थित अवैध दुकानों को सूचीबद्ध कर उन्हें उचित स्थान पर शिफ्ट कराने का निर्देश दिया। साथ ही मंदिर क्षेत्र की संरचनाओं के जीर्णोद्धार के लिए समेकित कार्य योजना बनाने, उपलब्ध भूमि का मेडिटेशन व अन्य गतिविधियों हेतु समुचित उपयोग करने के निर्देश दिए गए। निमार्णाधीन अतिथि गृह के कार्य को असंतोषजनक पाते हुए पर्यटन विभाग को आवश्यक सुविधाओं सहित कार्य योजना बनाकर प्रस्तुत करने को कहा गया। मंदिर परिसर स्थित तालाब का पानी नियमित रूप से बदलने, समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया।

मनरेगा और गांधी जी के नाम हटाने के विरोध में कांग्रेस का विशाल आक्रोश मार्च

■ मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतरी कांग्रेस, राष्ट्रपति के नाम सौंपा गया ज्ञापन

केटी न्यूज/बक्सर

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश एवं बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पत्र के आलोक में बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में सोमवार को एक विशाल एवं शांतिपूर्ण पैदल आक्रोश मार्च का आयोजन किया गया। मार्च की अगुवाई जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे ने की। यह आक्रोश मार्च केंद्र की मोदी सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) से महात्मा गांधी का नाम हटाने तथा जनविरोधी नीतियों के विरोध में आयोजित किया गया। आक्रोश मार्च की शुरूआत जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय से हुई, जो शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए शांतिपूर्ण ढंग से भगत सिंह पार्क पहुंचा। मार्च के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं और समर्थकों ने ह्लमोदी सरकार हाय-हायह्व और ह्लकेंद्र सरकार इस्तीफा दोह्व जैसे नारे लगाकर केंद्र सरकार की नीतियों के प्रति अपना आक्रोश प्रकट किया। भगत सिंह पार्क पहुंचने पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके उपरांत जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकताओं और आम नागरिकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गरीब, मजदूर और ग्रामीण जनता के अधिकारों पर लगातार हमले कर रही है। जनसंवाद कार्यक्रम के बाद जिला प्रशासन के माध्यम से भारत की माननीया राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा को कमजोर या निरस्त करने के लिए लाए जा रहे प्रस्तावित विधेयक पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। ज्ञापन में कहा गया कि मनरेगा एक अधिकार-आधारित कानून है, जो ग्रामीण नागरिकों को 100 दिनों के रोजगार का कानूनी अधिकार देता है। प्रस्तावित विधेयक इस अधिकार को समाप्त कर इसे केंद्र-नियंत्रित योजना में बदलने का प्रयास है, जो गरीबों के काम के अधिकार को छीनने जैसा है। इसके साथ ही अधिनियम से महात्मा गांधी का नाम हटाने को राष्ट्रपिता की विरासत, श्रम की गरिमा, सामाजिक न्याय और गरीबों के प्रति राज्य की जिम्मेदारी के मूल्यों पर सीधा हमला बताया गया। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि नया विधेयक मजदूरी के वित्तीय दायित्व से केंद्र सरकार को पीछे हटाने का प्रयास करता है, जिससे राज्यों और ग्रामीण जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा और संघीय ढांचे पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इस अवसर पर डॉ. मनोज पांडे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनविरोधी नीतियों के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि आगे की रणनीति आम जनता से संवाद कर तय की जाएगी। कार्यक्रम में युवा कांग्रेस संगठन सृजन के प्रभारी भरत शंकर जोशी, किसान प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष संजय कुमार पांडे, युवा कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मण उपाध्याय, महिला कांग्रेस अध्यक्ष निर्मला देवी सहित कई वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता और सैकड़ों आम नागरिक मौजूद रहे, जिन्होंने एकजुट होकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया।

एक नजर

अतिक्रमण हटने के बाद फिर कब्जे का आरोप पीड़ित ने एसडीएम से लगाई न्याय की गुहार

नावानगर। सोनवर्षा थाना क्षेत्र अंतर्गत एक निजी जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच चल रहा विवाद एक बार फिर तूल पकड़ता नजर आ रहा है। प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाए जाने के बावजूद दोबारा कब्जा किए जाने का आरोप सामने आया है। पीड़ित पक्ष ने मामले को गंभीर बताते हुए एसडीएम डुमरांव से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित बैजू तुरहा द्वारा पूर्व में दिए गए आवेदन पर डीसीएलआर ने जमीन की मापी कराकर अतिक्रमण हटाने का निर्देश अंचलाधिकारी को दिया था। इसके आलोक में अंचलाधिकारी रानी कुमारी ने पुलिस प्रशासन के सहयोग से संबंधित भूमि की विधिवत मापी कराई और इसी वर्ष 21 जनवरी को अवैध कब्जा हटवाकर जमीन को कब्जामुक्त कराया था। इस कार्रवाई के बाद पीड़ित परिवार ने राहत की सांस ली थी। हालांकि, आरोप है कि प्रशासनिक कार्रवाई के कुछ ही दिनों बाद भखेलू तुरहा, शिवजी तुरहा, जिउत तुरहा एवं धुरन तुरहा द्वारा पुनः उसी जमीन पर कब्जा कर लिया गया। पीड़ित का कहना है कि उक्त लोग दबंग प्रवृत्ति के हैं और विरोध करने पर मारपीट तथा जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। एसडीएम को दिए गए आवेदन में पीड़ित ने आशंका जताई है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो कोई बड़ी और अप्रिय घटना घट सकती है। बताया गया है कि लगातार धमकियों के कारण पूरा परिवार दहशत में है और जमीन पर जाने से भी डर रहा है। पीड़ित ने प्रशासन से मांग की है कि जमीन की दोबारा पैमाइश कराकर स्थायी रूप से कब्जामुक्त कराया जाए तथा आरोपितों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो।

शीतलहर से बचाव की जानकारी से अवगत हुए बच्चे

केसठ। मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के तहत शनिवार को प्रखंड के विभिन्न प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में अध्यनरत छात्र- छात्राओं को शीतलहर के खतरे एवं उससे बचाव को लेकर विद्यालय के फोकल शिक्षकों द्वारा कई महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी गयी। वहीं मध्य विद्यालय केसठ में विद्यालय के बच्चों को बेवजह घर से बाहर न निकलने गर्म पेय पदार्थ का सेवन करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के तहत छात्रों को जानकारी देते हुए प्रभारी प्रधानाध्यापक मुकेश कुमार ने बताया कि शीतलहर उस अवस्था को कहते है जब सर्दी के दिनों में तापमान सामान्य न्यूनतम तापमान से 05 से 06 डीग्री सेल्सियस तक नीचे चला जाता है, यह अवस्था 02 से 03 दिनों तक लगातार अगर बनी रहे तो उसे शीतलहर की अवस्था कहते है। शीतलहर के कारण कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न होती है,कई बार यह जानलेवा भी साबित हो जाता है। सबसे ज्यादा खतरा बच्चों और बुजुर्गो को रहता है। अधिक ठंड होने से बच्चों में श्वास से जुड़ा संक्रमण अस्तमा, खांसी, निमोनिया, डायरिया आदि के लक्षणों का खतरा बढ़ जाता है। अधिक ठंड लगने से हाइपोथेमिया नामक बीमारी भी हो सकती है। आप सभी बच्चे अपनी सुरक्षा के साथ अपने आसपास के बुजुर्गों को ठंड से बचाव को लेकर उन्हें इस विषय पर जागरुक करें, ताकि ठंड से उत्पन्न होने वाले शीतलहर में लकवा जैसी बीमारी से उनके जान माल की सुरक्षा को लेकर उन्हे जागरुक किया जा सके।

मध्य विद्यालय उड़ियानगंज की है घटना, जानकारी मिलते ही पहुंचे बीडीओ व चिकित्सा पदाधिकारी, विद्यालय परिसर में हुआ इलाज

चेतना सत्र के दौरान अचानक बीमार पड़ी तीन छात्राएं, मची अफरा तफरी

केटी न्यूज/डुमरांव

प्रखंड के कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र अंतर्गत मध्य विद्यालय उड़ियानगंज में शनिवार को चेतना सत्र के दौरान अचानक तीन छात्राएं बीमार हो गई। उन्हें चक्कर आने लगा तथा चेतना सत्र के दौरान ही वे गिर गई। इस दौरान स्कूल परिसर में अफरा तफरी मच गई। छात्र-छात्राएं किसी अनहोनी की आशंका से सहम गए।

हालांकि, विद्यालय के प्रधानाध्यापक व शिक्षकों ने तत्काल स्थिति को संभाला तथा वरीय अधिकारियों को सूचना देने के साथ ही बीमार बच्चियों को प्राथमिक इलाज के लिए पास के एक निजी अस्पताल ले गए। जहां, प्राथमिक इलाज के बाद उनकी हालत स्थिर हो गई। वहीं, इसकी जानकारी मिलते ही डुमरांव बीडीओ संदीप कुमार पांडेय चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आरबी प्रसाद के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद तीनों क स्कूल परिसर में ही विधिवत इलाज कराया गया। इलाज के बाद तीनों बच्चियां पूरी तरह से स्वस्थ्य हो गई। चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि तीनों को ठंड लग गया था, इनमें दो बच्चियां बिना खाना खाए ही आ गई थी जबकि तीसरी बिना गर्म कपड़े के स्कूल आ गई थी। चिकित्सा पदाधिकारी व बीडीओ ने इस दौरान छात्र-छात्राओं को ठंड से बचाव के लिए जागरूक किया तथा कहा कि सभी बच्चे भोजन कर ही स्कूल आए तथा गर्म कपड़े जरूर पहने। चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि खाली पेट व गर्म कपड़ो के अभाव में ठंड लगने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं, बीडीओ संदीप ने शिक्षकों को भी छात्रों को हर दिन चेतना सत्र में गर्म कपड़े पहनने तथा भोजन कर ही पढ़ने आने के लिए जागरूक करने को कहा। बीडीओ ने बताया कि फिलहाल तीनों छात्राएं पूरी तरह से स्वस्थ्य है तथा उन्हें घर भेज दिया गया है। हालांकि, इस घटना के बाद देर तक विद्यालय के छात्रों में भय का माहौल बना रहा तथा कुछ घंटो के लिए पढ़ाई भी बाधित हुई थी। छात्राओं के बीमार होने की सूचना मिलते ही कई अभिभावक भी मौके पर पहुंच गए थे। अभिभावक शिक्षकों के तत्परता तथा बीडीओ व चिकित्सा पदाधिकारी के क्वीक रिस्पांस की सराहना कर रहे थे।

शीतलहर से जंग, बक्सर में रैन बसेरे मजबूत, चप्पे-चप्पे पर अलाव जलाने का निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

कड़ाके की ठंड और शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन, बक्सर के निर्देश पर नगर परिषद ने शहरी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर राहत व्यवस्था तेज कर दी है। डे-नुलम (दीनदयाल अंत्योदय योजनाद्दराष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन) के तहत संचालित रैन बसेरों और अस्थायी आश्रयों को सुदृढ़ करते हुए बेघर व निराश्रित लोगों के लिए मानवीय और सुरक्षित माहौल सुनिश्चित किया जा रहा है।

प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि रैन बसेरों में ठहरने वालों को ठंड से बचाव के लिए हर जरूरी सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इसके तहत पर्याप्त संख्या में अलाव जलाने, कंबल वितरण, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और नियमित साफ-सफाई पर विशेष जोर दिया गया है। रैन बसेरों का नियमित निरीक्षण कर कमियों को तत्काल दूर करने के आदेश भी दिए गए हैं, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। नगर परिषद द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बाजार क्षेत्रों और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अलाव प्रज्वलन कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य खुले में रहने वाले लोगों के साथ-साथ देर रात यात्रा करने वाले राहगीरों को भी ठंड से राहत पहुंचाना है। अलाव व्यवस्था की सतत निगरानी की जा रही है और आवश्यकता के अनुसार ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। विभिन्न स्थलों पर अलाव जलने के फोटोग्राफिक साक्ष्य भी इस व्यवस्था की पुष्टि कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने नगर परिषद को निर्देशित किया है कि शहरी क्षेत्र में जरूरत के मुताबिक अस्थायी आश्रयों का संचालन निर्बाध रूप से जारी रहे। संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ रोजाना प्रगति की समीक्षा करने और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि यदि कहीं रैन बसेरों या अलाव व्यवस्था में कोई कमी नजर आए तो उसकी सूचना तुरंत नगर परिषद या संबंधित कार्यालय को दें, ताकि ठंड से जूझ रहे जरूरतमंदों को समय पर राहत मिल सके।

बघेलवा मोड़ पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो का कहर, प्रखंड स्वच्छता समन्वयक गंभीर घायल

केटी न्यूज/राजपुर

थाना क्षेत्र के बक्सरझकोचस मुख्य पथ पर बघेलवा मोड़ के समीप शनिवार को एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने लापरवाही का परिचय देते हुए बाइक सवार प्रखंड स्वच्छता समन्वयक आलोक कुमार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में आलोक कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार आलोक कुमार रोहतास जिले के कुदरा स्थित अपने पैतृक गांव से प्रखंड मुख्यालय राजपुर ड्यूटी के लिए आ रहे थे। जैसे ही वे बघेलवा मोड़ के पास पहुंचे, तभी एक स्कॉर्पियो अचानक बिना संकेत मोड़ मुड़ गई। अचानक हुई इस कार्रवाई से आलोक कुमार संभल नहीं सके और बाइक सहित सड़क पर गिर पड़े। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वे गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

घटना के बाद सड़क पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। चिकित्सा प्रभारी डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि घायल की स्थिति अब स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं।

घटना ने एक बार फिर मुख्य सड़कों पर तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ऐसे मोड़ों पर ट्रैफिक नियंत्रण और सख्ती बढ़ाने की मांग की है।

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा) द्वारा आयोजित दो दिवसीय किसान मेले में आधुनिक खेती की झलक

■ समेकित कृषि प्रणाली, ड्रिप इरिगेशन और ड्रोन तकनीक ने किसानों को किया आकर्षित

केटी न्यूज/बक्सर

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण (आत्मा), बक्सर के तत्वावधान में दो दिवसीय किसान मेला-सह-उद्यान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। इस मेले में किसानों के बीच आधुनिक एवं समेकित कृषि प्रणाली मॉडल की प्रभावशाली प्रस्तुति की गई, जिससे बड़ी संख्या में किसानों ने नई तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। मेले का उद्घाटन उप विकास आयुक्त निहारिका छवि, अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुमार तथा जिला कृषि पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मंच संचालन अमान अहमद एवं मृत्युंजय मिश्र ने किया।

उद्घाटन अवसर पर उप विकास आयुक्त निहारिका छवि ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि है और इसमें किसानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आत्मा द्वारा आयोजित यह किसान मेला किसानों के लिए ह्लमील का पत्थरह्व सिद्ध होगा। उन्होंने मेले में लगाए गए विभिन्न कृषि व संबद्ध विभागों के स्टॉलों का भ्रमण कर प्रदर्शित तकनीकों की सराहना की और किसानों से इन नवाचारों को अपनाने का आह्वान किया। अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुमार ने कहा कि किसान मेला कृषि एवं कृषि से जुड़े क्षेत्रों में उपयोगी जानकारी का समृद्ध स्रोत है। मेले में भाग लेने वाले किसान यहां से प्राप्त जानकारियों के माध्यम से खेती में उत्पादन और उत्पादकता बढ़ा सकते हैं। वहीं जिला कृषि पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार ने मेले के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस आयोजन का मुख्य लक्ष्य किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, नवीन कृषि तकनीकों और आधुनिक उपकरणों से अवगत कराना है। मेले में किसानों के मनोबल को बढ़ाने के उद्देश्य से फल-फूल एवं सब्जी प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को पुरस्कृत किए जाने की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही समेकित कृषि प्रणाली, ड्रिप इरिगेशन, शेड नेट, ड्रोन के माध्यम से कीटनाशी दवाओं का छिड़काव, पराली प्रबंधन आदि विषयों पर लाइव डेमो का आयोजन किया गया, जिससे किसानों को व्यावहारिक जानकारी मिल सके।

कृषि विज्ञान केंद्र, बक्सर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ. देवकरण तथा प्लांट ब्रीडिंग विशेषज्ञ हरिगोविंद जायसवाल ने रबी मौसम में उगाई जाने वाली फसलों के प्रबंधन और समेकित कृषि प्रणाली पर विस्तृत जानकारी दी। जिला मत्स्य पदाधिकारी आशीष प्रकाश एवं पशुपालन पदाधिकारी ने भी अपने-अपने विभागों की योजनाओं की जानकारी किसानों को दी।

इस अवसर पर जिला उद्यान पदाधिकारी किरण भारती, उप परियोजना निदेशक ऋषिकेश कुमार सहित कृषि विभाग के अनेक अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। आत्मा द्वारा आयोजित यह किसान मेला 21 दिसंबर को भी जारी रहेगा, जिसमें प्रदर्शनी में शामिल किसानों को सम्मानित किया जाएगा।

चौसा नगर पंचायत की सामान्य बोर्ड की बैठक में विकासात्मक योजना व जनसुविधाओं पर विचार विमर्श

केटी न्यूज/चौसा

चौसा नगर पंचायत कार्यालय में शनिवार को मुख्य पार्षद किरण देवी की अध्यक्षता में सामान्य बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। जिसका संचालन कार्यपालक पदाधिकारी रानी कुमारी ने किया। बैठक में नगर पंचायत चौसा क्षेत्रान्तर्गत विकासात्मक योजना व जनसुविधाओं से जुड़ी कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

मुख्य पार्षद ने बताया कि व्यापारियों को व्यापार अनुज्ञप्ति (ट्रेड लाइसेंस) निर्गत कराने हेतु नगर में प्रचार-प्रसार कर लोगों को जागरूक करने का निर्णय लिया गया। बैठक में नगर के सभी वार्डों में विकास कार्यों को गति देने के लिए आवश्यकतानुसार स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था,आमजन के लिए चापाकल व वाटर कूलर, विभिन्न स्थानों पर यात्री शेड व सामुदायिक शेड का निर्माण, सीमेंटेड कुर्सियों की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों का विस्तार,जरूरत के अनुसार हाई मास्ट लाइट,नाली-गली से जुड़े अन्य कार्यों की स्वीकृति मिलने की जानकारी दी गई। साथ ही सरकार द्वारा मार्च 2026 तक होल्डिंग टैक्स पर लगने वाले पेनल्टी के साथ-साथ ब्याज भी माफ कर दिया गया है।

बैठक में ललिता देवी, चंदन चौधरी, आनंद कुमार रावत, साजिदा, हृदय नारायण सिंह, शैल देवी, अंजू कुमारी, रंजू देवी, पार्वती देवी, पुष्पा देवी, दिनेश कुमार, रामबाबू, छोटेलाल चौधरी के अलावा सहायक लोक स्वच्छता पदाधिकारी मोहम्मद अरशद हैदर नकवी, कनीय विद्युत अभियंता अजय कुमार सिंह एवं प्रधान सहायक सत्य प्रकाश उपस्थित रहे।

नवनिर्वाचित विधायकों को सम्मानित कर जदयू नेत्री ने चलाया सदस्यता अभियान

■ **एनडीए की जीत के बाद बिहार में सीएम के नेतृत्व में विकास ने पकड़ा रफ्तार : अरुणा देवी**

केटी न्यूज/रोहतास

जिला क्षेत्र के सासाराम स्थित एक सभागार में आयोजित नवनिर्वाचित विधायक के लिए अभिनंदन सह सदस्यता ग्रहण समारोह का कार्यक्रम आयोजित हुई। जो सासाराम के हेतिमपुर स्थित कुशवाहा भवन में जनता दल यूनाइटेड कार्यकताओं के नेतृत्व में भव्य अभिनंदन सह सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इस समारोह का मुख्य उद्देश्य 2025 में हुए बिहार विधानसभा चुनावों में रोहतास जिला अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र से विजयी हुए जदयू के प्रत्याशियों का अभिनंदन करना और पार्टी के सदस्यता अभियान को गति देना था। इस समारोह को लेकर मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य,बिहार सह तरारी विधानसभा प्रभारी वरीय जदयू नेत्री अरुणा देवी ने सदस्यों का अभिनंदन करते हुए कार्यक्रम में भाग लेते हुए समारोह के दौरान नवनिर्वाचित विधायक को फूलों का हार पहनाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। जदयू नेत्री ने अपने संबोधन में कहा कि जनता और विशेषकर महिला मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। जिन्होंने एनडीए की नीतियों और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व पर भरोसा जता बिहार विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दिलाई। जिसके बाद पुनः एकबार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नेतृत्व बिहार विकास की रफ्तार तेज शुरू हो गई है। जो जदयू और उसके सहयोगी दलों की एकजुटता और आगामी सांगठनिक मजबूती के स्वरूप में देखा जा रहा है।

जदयू नेत्री ने चलाया सदस्यता अभियान : कार्यक्रम अवसर पर जदयू नेत्री अरुणा देवी के नेतृत्व में केवल अभिनंदन ही नहीं, बल्कि एक पार्टी मजबूती हेतु सत्र 2025-2028 'सदस्यता ग्रहण' अभियान भी चलाया गया। जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों और विपक्षी दलों से आए दर्जनों कार्यकताओं ने जदयू की नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। नए सदस्यों का स्वागत करते हुए जदयू नेत्री सहित पार्टी कार्यकताओं ने कहा कि पार्टी का आधार मजबूत करने के लिए समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना आवश्यक है। जबकि नवनिर्वाचित विधायक ने अपने संबोधन कहा कि क्षेत्र के विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए हम सदैव संकल्पित रहेंगे। लिया। उनकी जीत व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सासाराम के कार्यकताओं और जनता की जीत है। समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिससे पूरा कुशवाहा भवन परिसर राजनीतिक उत्साह से भर गया। विधायक नागेंद्र चन्द्रवंशी,बशिष्ट सिंह, जदयू जिलाध्यक्ष बिंदा चंद्रवंशी सहित पार्टी के समस्त संगठनात्मक जिलाध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता सहित आमजन उपस्थित थे।

पुलिसकर्मी की गला रेतकर हत्या : अंगूठा काटकर ले गए अपराधी, गले पर 2 इंच गहरा और 10 इंच लंबा घाव

पशुपति नाथ तिवारी
मृतक

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर में छुट्टी पर आए एक हवलदार की धारदार हथियार से गला रेतकर शुक्रवार की देर रात हत्या कर दी गई। मृतक झारखंड के हजारीबाग के एक थाने में हवलदार कम ड्राइवर की पोस्ट पर तैनात थे। 10 दिन बाद जनवरी में वे रिटायर होने वाले थे। बताया जा रहा है कि रविवार को उनके घर में लाखों रुपए की चोरी हुई थी। इसी सिलसिले में हवलदार सोमवार को अपने घर आए थे। वो एक दो दिन में वापस लौटने वाले थे। शुक्रवार की रात को अपने कमरे में अकेले सो रहे थे, तभी किसी ने धारदार हथियार से उनकी हत्या कर दी। वारदात चांदी थाना क्षेत्र के भगवतपुर गांव की है। मृतक की पहचान 60 साल के पशुपति नाथ तिवारी के रूप में हुई है। वारदात की जानकारी के बाद घटनास्थल पर पहुंची चांदी थाना की पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और जांच पड़ताल में जुट गई। वारदात के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल पहुंचे मृतक पशुपति नाथ तिवारी के छोटे भाई भारत भूषण तिवारी ने बताया कि 'मेरे भइया झारखंड पुलिस में थे। हजारीबाग में एक थाने में हवलदार कम ड्राइवर के पोस्ट पर थे। अगले महीने रिटायर होने वाले थे। पिछले रविवार को भइया के घर में लाखों रुपए की चोरी हुई थी। चोरी की खबर सुनकर भइया घर आए थे। चार दिन से घर पर ही थे। एक दो दिन में उन्हें जाना था। शुक्रवार की देर शाम हम दोनों भाई एक साथ बैठकर अलाव सेंक रहे थे। इसके बाद भइया अपने घर में सोने चले गए। भइया पशुपति नाथ तिवारी ने साल 1989 में नौकरी जॉइन की थी। घर में पत्नी मणि देवी रहती हैं, जबकि पशुपति नाथ तिवारी काम के सिलसिले में झारखंड के हजारीबाग रहते थे। महीने दो महीने में उनका आना जाना लगा रहता था। पशुपति नाथ तिवारी और मणि देवी के दो बच्चे विशाल और प्रियंका हैं। दोनों की शादी हो चुकी है, दोनों बाहर रहते हैं।

गले पर 2 इंच गहरा 10 इंच लंबा घाव

मृतक के भाई ने बताया कि 'भाई की पूरी गर्दन को रेता गया है। करीब 10 इंच लंबा और 2 इंच गहरा घाव था। भाई के दाएं हाथ का एक अंगूठा भी गायब है। आशंका है कि फिंगर प्रिंट के लिए भइया का अंगूठा काटा गया है। हम लोगों को तो किसी से किसी तरह के विवाद की जानकारी नहीं है। अब इस वारदात को किसने और क्यों अंजाम दिया, ये पुलिस जांच करे। उधर, वारदात की जानकारी मृतक के बेटे और बेटी को दे दी गई है। दोनों गांव के लिए रवाना हो गए हैं। फिलहाल, पुलिस ने मृतक की पत्नी को थाना में रखा है, उनसे पूछताछ कर रही है।

अंगूठा काटा जाना साजिश का संकेत

चांदी थाने के रल्डड राजेश रोशन ने बताया कि 'सुबह परिवार की ओर से वारदात की सूचना दी गई थी। पुलिस टीम ने घटनास्थल का दौरा किया। मृतक झारखंड पुलिस में थे। उनकी लाश बिस्तर पर पड़ी थी और पूरा बिस्तर खून से सना हुआ था। मृतक के दाएं हाथ का अंगूठा भी गायब है, जो किसी साजिश की ओर इशारा कर रहा है। फिलहाल, मृतक की पत्नी से पूछताछ की जा रही है, जानकारी जुटाई जा रही है। पूछताछ में अब तक सामने आया है कि मृतक की पत्नी अलग कमरे में जबकि पशुपति नाथ तिवारी अलग कमरे में सो रहे थे। हालांकि, हत्या को किसने और क्यों अंजाम दिया है, ये अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। वारदात के संबंध में सदर SDPO-2 रंजीत कुमार ने बताया कि पशुपति नाथ तिवारी साल 2026 में रिटायर होने वाले थे। रविवार को यहां आए थे। देर रात पशुपति नाथ तिवारी की गला रेतकर हत्या की गई है। जांच पड़ताल की जा रही है।

बिहार के सरकारी स्कूल में शिक्षक की शर्मनाक करतूत नाराज छात्राओं ने कलेक्ट्रेट को घेरा; लगाए यह गंभीर आरोप

एजेंसी। नवादा

शिवहर में प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय की छात्राएं और उनके अभिभावक शुक्रवार को समाहरणालय परिसर पहुंचे और विद्यालय के एक शिक्षक पर बदसलूकी का आरोप लगाते हुए जोरदार हंगामा किया। आक्रोशित छात्राओं और अभिभावकों ने समाहरणालय का घेराव कर आरोपित शिक्षक के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की मांग की। छात्राओं ने बताया कि विद्यालय के एक शिक्षक द्वारा उनके साथ बदसलूकी की गई है। उनका आरोप है कि जब उन्होंने इस संबंध में अन्य शिक्षकों से सहयोग मांगा तो उन्हें कोई मदद नहीं मिली, जिससे मजबूर होकर वे न्याय की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे। मामले की जानकारी मिलते ही डीएम प्रतिभा रानी और एसपी शैलेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुणाल, एसडीपीओ सुशील कुमार और जिला शिक्षा पदाधिकारी चंदन कुमार मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आक्रोशित छात्राओं और अभिभावकों को समझाया और आश्वासन दिया कि मामले में कार्रवाई की जा रही है तथा शीघ्र ही आरोपित शिक्षक को गिरफ्तार किया जाएगा।वहीं कई अभिभावकों ने कहा कि विद्यालय, जिसे मंदिर के समान माना जाता है, वहां छात्राओं के साथ इस तरह का घिनौना व्यवहार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आरोपित शिक्षक की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। छात्राओं ने एसडीएम और एसडीपीओ को विद्यालय में हो रही कथित अनियमितताओं की भी जानकारी दी और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग रखी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए शिवहर नगर थाना प्रभारी रणधीर कुमार सिंह, महिला थाना अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात रहा और लोगों को शांत कराने में जुटा रहा। एसडीपीओ सुशील कुमार ने कहा कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। उन्होंने छात्राओं से विद्यालय लौटकर परीक्षा में शामिल होने की अपील की और आश्वस्त किया कि आवेदन प्राप्त होते ही प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बुढ़ियासाख : जंगल से खैर लकड़ी तस्करी का छापेमारी कर पुलिस ने किया उद्भेदन

ट्रक और बाइक के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी। नवादा

रजौली थाना क्षेत्र के बुढ़ियासाख गांव के आगे स्थित जंगल से शुक्रवार की देर रात्रि वन विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खैर की लकड़ी की अवैध तस्करी का खुलासा किया है।गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में एक अशोक लीलैंड ट्रक जो यूपी 32 यूएन 2609 नंबर पर लदी भारी मात्रा में खैर की लकड़ी जब्त की गई। साथ ही मौके से ट्रक चालक,उपचालक सहित कुल पांच तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।इस कार्रवाई से वन माफियाओं में हड़कंप मच गया है। वनों के क्षेत्र पदाधिकारी नारायण लाल सेवक ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि बुढ़ियासाख के जंगलों से अवैध रूप से खैर के पेड़ों की कटाई कर लकड़ी को उत्तर प्रदेश नंबर के ट्रक में लोड किया जा रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। इस टीम का नेतृत्व वनपाल आदर्श कुमार को सौंपा गया,जबकि अन्य वनकर्मियों को भी अलर्ट मोड पर रखा गया। रात में गठित टीम ने जंगल क्षेत्र में पहुंचकर रणनीति के तहत घेराबंदी की।जैसे ही तस्कर ट्रक में खैर की लकड़ी लोड कर रहे थे,उसी दौरान वन विभाग की टीम ने छापा मार दिया। छापेमारी के दौरान मौके से तीन तस्करों को रंगे हाथ पकड़ा गया एवं ट्रक चालक व उपचालक को भी हिरासत में ले लिया गया। साथ ही छापेमारी के दौरान तस्करी में प्रयुक्त एक बाइक भी जब्त की गई है, जिसका इस्तेमाल जंगल के अंदर आवाजाही के लिए किया जा रहा था। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान रजौली थाना क्षेत्र के फरकाबुजुर्ग गांव निवासी विवेकानंद राजवंशी,नवादा के शौकत अली खान व इस्लामनगर निवासी इंतखाब खान,उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ निवासी लतीफ अहमद तथा अमेठी निवासी ट्रक चालक पीर मोहम्मद के रूप में की गई है। वनों के क्षेत्र पदाधिकारी ने बताया कि सभी आरोपियों को वन विभाग की हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।साथ ही बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि खैर की लकड़ी जंगल से अवैध रूप से काटी गई थी और उसे बाहर ले जाकर बेचने की तैयारी चल रही थी।जब्त लकड़ी की मात्रा का आकलन किया जा रहा है।पूछताछ के दौरान तस्करी से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क की जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि सभी पांचों गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध वन अधिनियम के सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। छापेमारी दल में वनरक्षी रणवीर यादव, संजीव कुमार, प्रहलाद कुमार, रंजन कुमार, संजय कुमार समेत कई अन्य वनकर्मी शामिल थे।वन विभाग ने साफ किया है कि वन संपदा की अवैध कटाई और तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

मधुबन जलाशय निर्माण पर सामाजिक मूल्यांकन जन सुनवाई का आयोजन

एजेंसी। नवादा

जिले के शनिवार कों मध्य विद्यालय, मधुबन के समीप ललित नारायण मिश्र आर्थिक विकास एवं सामाजिक परिवर्तन संस्थान, पटना द्वारा तैयार सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन के प्रारूप प्रतिवेदन पर नवादा जिला पदाधिकारी, रवि प्रकाश की अध्यक्षता में जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।उल्लेखनीय है कि नवादा शहर के शेष वार्डों एवं बिहारशरीफ शहरी क्षेत्र में गिर रहे भू-जल स्तर में सुधार लाने तथा शुद्ध पेयजल की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गंगाजल आपूर्ति योजना, फेज 02 ,पार्ट-01 के अंतर्गत 27 एमसीएम क्षमता के जलाशय का निर्माण प्रस्तावित है। इस जलाशय का निर्माण अन्य भूमि के अतिरिक्त 14.297 एकड़ आवासीय भूखंड पर किया जाना प्रस्तावित है। आवासीय भूमि के भू-अर्जन की प्रक्रिया के क्रम में तैयार सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन के प्रारूप प्रतिवेदन पर आयोजित इस जन सुनवाई में मधुबन एवं मोतनाजे ग्राम के ग्रामीणों ने भाग लिया। जन सुनवाई कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों द्वारा जिला पदाधिकारी एवं सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन टीम के समक्ष अपनी विभिन्न मांगों एवं सुझावों को रखा गया। इसके अतिरिक्त ग्रामीणों द्वारा पूर्व में प्रस्तुत 18 बिंदुओं की मांगों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। जिला पदाधिकारी ने उपस्थित ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि जन सुनवाई का उद्देश्य आमजन की समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से सुनना एवं उनके समाधान हेतु प्रभावी एवं व्यावहारिक रणनीति तैयार करना है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे अपनी समस्याओं एवं सुझावों को निःसंकोच रखें, ताकि जिला प्रशासन आवश्यकतानुसार ठोस कदम उठा सके। जिला पदाधिकारी ने कहा कि मधुबन जलाशय का निर्माण क्षेत्र में जल संकट से निपटने तथा भविष्य में पेयजल की सुरक्षित एवं निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण परियोजना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों के साथ-साथ प्रभावित एवं विस्थापित परिवारों के हितों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।जन सुनवाई के क्रम में सुनील कुमार, निवासी मधुबन द्वारा विस्थापित परिवारों की ओर से अपनी बात रखी गई। उन्होंने प्रभावित परिवारों के लिए समुचित पुनर्वास व्यवस्था, बच्चों हेतु गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, बिजली एवं पेयजल की उपलब्धता, पशु शेड की व्यवस्था तथा न्यायसंगत मुआवजा सुनिश्चित किए जाने की मांग की, ताकि विस्थापित परिवार सम्मानपूर्वक जीवन यापन कर सकें।ग्रामीणों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए जिला पदाधिकारी ने सभी को आश्वस्त किया कि सरकार द्वारा विस्थापित परिवारों को सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा तथा पुनर्वास एवं मुआवजा की प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न की जाएगी। अवसर पर जिला पदाधिकारी ने अंचल अधिकारी, नारदीगंज को निर्देश दिया कि मधुबन एवं मोतनाजे ग्राम के प्रभावित परिवारों से संबंधित भूमि एवं अन्य सभी राजस्व अभिलेखों को शीघ्र अद्यतन करना सुनिश्चित करें, ताकि पुनर्वास एवं मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

जिले में चला सघन वाहन जांच अभियान, 50 से अधिक वाहनों पर 3.50 लाख से अधिक का दण्ड अधिरोपित

एजेंसी। नवादा

नवादा जिला परिवहन पदाधिकारी, नवीन कुमार पांडेय के निर्देश के आलोक में शनिवार को समाहरणालय गेट,हिसुआ, नारदीगंज रोड सहित जिले के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर संबंधित पदाधिकारियों द्वारा सघन वाहन जाँच अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान दोपहिया वाहनों में हेलमेट एवं ड्राइविंग लाइसेंस की अनिवार्यता, ट्रिपल लोडिंग, भारी वाहनों का फिटनेस, बीमा (इंश्योरेंस), प्रदूषण, परमिट इत्यादि कागजातों की वैधता, वाहन पर हाई-सिक्योरिटी नंबर प्लेट सहित अन्य यातायात नियमों की गहन जाँच की गई। जाँच के क्रम में यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले 50 से अधिक वाहनों को चिन्हित करते हुए कुल 3.50 लाख से अधिक का दण्ड अधिरोपित किया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस प्रकार का जाँच अभियान आगे भी नियमित रूप से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित किया जाएगा। आमजनों से अपील की गई है कि वे वाहन चलाते समय सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें तथा यातायात नियमों का पालन कर स्वयं एवं दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि दुपहिया वाहनों के परिचालन में हेलमेट की अनिवार्यता सुनिश्चित करने हेतु " नो हेलमेट, नो पेट्रोल" की नीति को सख्ती से लागू किया जाएगा।

एक नजर

ठंड के बढ़ते प्रकोप को लेकर विद्यालय संचालन बंद रखने का डीएम ने दिया आदेश

नवादा । जिले में ठंड जारी है विशेष रूप से प्रातः एवं सायं के समय तापमान में निरंतर गिरावट देखी जा रही है, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य एवं जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की प्रबल संभावना है। उक्त परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए श्री रवि प्रकाश, भा.प्रा.से. जिला दण्डाधिकारी, नवादा द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश निर्गत किया गया है कि नवादा जिला के सभी निजी एवं सरकारी विद्यालयों व प्री-स्कूल एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों सहित के सभी कक्षाओं की शैक्षणिक गतिविधियों पर पूर्वाह्न 10 बजे बजे से पहले तथा अपराह्न 03 बजे बजे के पश्चात प्रतिबंध लगाया जाता है।जिले के सभी संबंधित विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया गया है कि उपर्युक्त आदेश के आलोक में अपनी शैक्षणिक गतिविधियों का पुनर्निधारण सुनिश्चित करें। साथ ही प्री-बोर्ड/बोर्ड परीक्षा हेतु संचालित विशेष कक्षाओं अथवा परीक्षाओं का संचालन पूर्ण सावधानी एवं बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए किया जाए। उक्त आदेश जो 20 दिसंबर से प्रभावी होगा तथा दिनांक 26 दिसंबर तक लागू रहेगा।

दिव्यांग नियोजन सह व्यावसायिक मार्गदर्शन का एक दिवसीय शिविर आयोजित

नवादा । जिला नियोजन पदाधिकारी, सुनील कुमार सुमन,सीनियर डिप्टी कलेक्टर अमरनाथ कुमार एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से दिव्यांगजनों हेतु एक दिवसीय नियोजन सह करियर एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन शिविर का शुभारंभ संयुक्त श्रम भवन परिसर में दीप प्रज्वलित कर किया गया। उक्त शिविर में कुल 8 नियोजकों द्वारा भाग लिया गया। जिनमें फ्रीडम एम्प्लॉयबिलिटी अकादमी, नई दिल्ली, धर्मशीला देवी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, भारतीय जीवन बीमा निगम एलआईसी,स्तुति सोशल वेलफेयर फाउंडेशन,नवादा,मां मुंडेश्वरी टाटा मोटर्स,भारत गैस एजेंसी तथा शर्मा एंटरप्राइजेज लिमिटेड शामिल हैं।इस नियोजन कैम्प में नन मैट्रिक से स्नातक, आईटीआई एवं डिप्लोमा उत्तीर्ण दिव्यांग अभ्यर्थियों ने भाग लिया। अभ्यर्थियों के लिए आयु सीमा 18 से 50 वर्ष निर्धारित थी। चयनित अभ्यर्थियों के लिए कार्य स्थल नवादा, हाजीपुर,बिहार एवं बावल हरियाणा निर्धारित किया गया। रोजगार कैम्प में कुल 75 दिव्यांगजन उपस्थित हुए, जिनमें से नियोजकों द्वारा 63 बायोडाटा प्राप्त किए गए। प्रथम स्तर पर 34 दिव्यांगजनों का चयन किया गया। अवसर पर अनुमंडल पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी,नवादा सदरअमित चटर्जी,अनुमंडल पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी, जिला मुख्यालय,पूजा मित्तल, दिव्यांगजन संघ के अध्यक्ष सहित अन्य आवेदक उपस्थित थे।

दो दिवसीय क्लस्टर स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन

काराकाट । शनिवार को मेरा भारत रोहतास के तत्वाधान में ग्रीन वाइल्ड फाउंडेशन के सौजन्य से काराकाट प्रखंड के गोडारी खेल मैदान राम रूप स्टेडियम में 19 से 20 दिसंबर तक दो दिवसीय क्लस्टर स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग के लिए फुटबॉल, रिले दौड़ 400 मीटर और लंबी कूद, जबकि महिला वर्ग के लिए कबड्डी, रिले दौड़ 200 मीटर और बैडमिंटन के मैच खेले गए। बिक्रमगंज, काराकाट एवं नासरीगंज के युवा-युवतियों ने बढ़चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता काराकाट प्रखंड के एक्स एनवाईभी तिलेश शर्मा ने की। मुख्य अतिथि प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह, थाना अध्यक्ष विवेक कुमार तथा नगर अध्यक्ष राधिका कुमारी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और खेल का स्तर उच्च रहा। परिणामों में पुरुष वर्ग रिले दौड़ 400 मीटर में प्रथम रोहित कुमार, द्वितीय बलवंत कुमार तथा तृतीय शनि कुमार रहे। महिला वर्ग रिले दौड़ 200 मीटर में सोनम कुमारी प्रथम, अनुराधा कुमारी द्वितीय तथा खुशबू कुमारी तृतीय। लंबी कूद पुरुष वर्ग में अंकित कुमार प्रथम, नीतीश कुमार द्वितीय तथा अंकित कुमार तृतीय रहे। फुटबॉल फाइनल में देवमारकंडे और बिक्रमगंज की टीमें पहुंचीं, जहां मैच बराबर रहने पर पेनाल्टी शूटआउट में बिक्रमगंज ने 1-0 से जीत हासिल की। अवसर पर ग्रीन वाइल्ड फाउंडेशन के शिवम कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह, थाना अध्यक्ष विवेक कुमार, जिला युवा अधिकारी कोमल निगम, मुख्य पार्षद राधिका कुमारी, राम रूप प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमरेश कुमार, शारीरिक शिक्षक कुश त्रिपाठी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। प्रतियोगिता ने ग्रामीण युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित किया।

बिहार में चलती कार में लगी भीषण आग, बाल-बाल बचा महिला टीचर और उनका पूरा परिवार

बेतिया। बेतिया जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत अमवा मझार कोठी के समीप उस समय अफरातफरी मच गई, जब एक चलती कार में अचानक भीषण आग लग गई। गनीमत रही कि कार में सवार शिक्षिका और उनके परिवार के सभी सदस्य समय रहते बाहर निकल आए, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि कुछ ही मिनटों में कार पूरी तरह जलकर राख हो गई। जानकारी के अनुसार, रामदयाल सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अमवा मझार की शिक्षिका विजेता कुमारी शनिवार सुबह करीब 10 बजे अपने परिवार के साथ कार से विद्यालय जा रही थीं। कार में उनके साथ पिता विजय कुमार सिन्हा (62), माता रेखा सिन्हा (61) और चार वर्षीय पुत्र अद्विक करण सवार थे। कार का रजिस्ट्रेशन नंबर खत्न 05 इढ 1306 बताया गया है। बताया जा रहा है कि जैसे ही कार अमवा मझार कोठी के पास पहुंची, वाहन के अगले हिस्से से अचानक धुआं निकलने लगा। स्थिति को भांपते हुए शिक्षिका ने तुरंत कार रोक दी और सूझबूझ दिखाते हुए सभी सवारों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसी दौरान कार में आग भड़क उठी और वह धू-धू कर जलने लगी।

बिहार में जमीन मामलों पर सख्ती : 10 सेवाएं ऑनलाइन, फर्जी दस्तावेज वालों पर एफआईआर का आदेश

एजेंसी। पटना

बिहार में जमीन से जुड़े विवाद और आम नागरिकों की परेशानियों को खत्म करने के लिए राज्य सरकार लगातार सख्त और ठोस कदम उठा रही है। उपमुख्यमंत्री एवं राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री विजय कुमार सिन्हा इस दिशा में खुद मोर्चा संभाले हुए हैं। वे लगातार कार्यक्रमों और समीक्षा बैठकों के दौरान अधिकारियों से फीडबैक ले रहे हैं और जहां भी लापरवाही या शिकायत मिल रही है, वहां अधिकारियों को कड़ी फटकार भी लगा रहे हैं। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि जमीन से जुड़े मामलों में आम जनता को किसी भी कीमत पर परेशान नहीं किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने डीसीएलआर, सीओ और एडीएम स्तर के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि जमीन से संबंधित हर आवेदन का निष्पादन समयबद्ध, पारदर्शी और नियमों के अनुसार किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी या मनमानी सामने आती है, तो संबंधित अधिकारी जिम्मेदार माने जाएंगे। इसी क्रम में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल के माध्यम से एक महत्वपूर्ण पोस्ट साझा की गई है। इस पोस्ट में जमीन से जुड़ी 10 ऐसी आवश्यक सेवाओं की जानकारी दी गई है, जिनका लाभ आम नागरिक घर बैठे ऑनलाइन उठा सकते हैं। इन सेवाओं के लिए लोगों को विभाग की आधिकारिक वेबसाइट biharbhumi.gov.in पर जाना होगा। सरकार का उद्देश्य है कि लोगों को जमीन से जुड़े कार्यों के लिए अंचल कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और बिचौलियों की भूमिका पूरी तरह खत्म हो। इन सेवाओं के माध्यम से अब जमीन से जुड़े अधिकांश काम बिना कार्यालय जाए पूरे किए जा सकते हैं, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी।

आम नागरिकों के लिए उपलब्ध 10 ऑनलाइन सेवाएं

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा दी जा रही ऑनलाइन सेवाओं में शामिल हैं–
ऑनलाइन दाखिल–खारिज की सुविधा
ऑनलाइन भू–लगान भुगतान
डिजिटल हस्ताक्षरित भू–अभिलेख
ई–मापी सेवा
परिमार्जन प्लस
ऑनलाइन राजस्व न्यायालय (आरसीएमएस)
भूमि उपयोग प्रकार में परिवर्तन (भू–संपरिवर्तन)
राजस्व मानचित्रों की डोर स्टेप डिलीवरी
जमाबंदी पर रटर अलर्ट चुनने की सुविधा
भूमि दखल कब्जा प्रमाण पत्र (एलपीसी)

फर्जी दस्तावेजों पर कसेगा शिकंजा

जमीन से जुड़े मामलों में फजीर्वाड़ा लंबे समय से एक बड़ी समस्या रहा है। इसे गंभीरता से लेते हुए उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि फर्जी कागजात के आधार पर आवेदन करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ आपराधिक धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि इस कार्रवाई में अंचलाधिकारी के साथ भूमि सुधार उपसमाहर्ता और अपर समाहर्ता का पूरा सहयोग लिया जाए। साथ ही उपलब्ध कानूनी सलाहकारों की मदद से यह सुनिश्चित किया जाए कि फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करने वाला कोई भी व्यक्ति कानूनी कार्रवाई से बच न सके।

तेजी से निपटारे पर जोर

सरकार का जोर इस बात पर है कि जमीन से जुड़े मामलों का निष्पादन तय समय सीमा के भीतर हो। बार-बार शिकायत मिलने पर अधिकारियों की जवाबदेही तय की जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने साफ शब्दों में कहा है कि जमीन के नाम पर आम जनता को परेशान करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह आवेदक हो या सरकारी कर्मचारी।

नागपुर में सोलर पैनल फैक्ट्री हादसा : बिहार के छह मजदूरों की मौत, नौ घायल, सीएम नीतीश ने किया मुआबजे का एलान

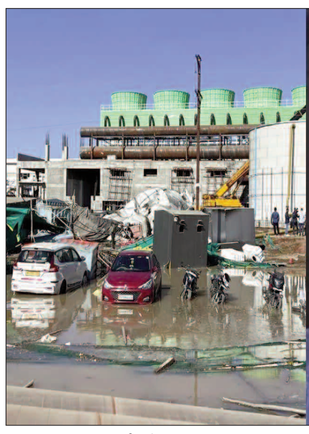

एजेंसी। पटना

महाराष्ट्र के नागपुर जिले में मंगलवार सुबह एक भीषण औद्योगिक हादसे ने कई परिवारों को गहरे शोक में डुबो दिया। नागपुरझ चंद्रपुर राष्ट्रीय राजमार्ग के पास स्थित बुटीबोरी एमआईडीसी क्षेत्र में ह्यअवादा इलेक्ट्रो प्राइवेट लिमिटेडझ की सोलर पैनल निर्माण फैक्ट्री में एल्युमिनियम की पानी की टंकी फटने से बिहार के छह मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि नौ अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में से तीन की हालत चिंताजनक बताई जा रही है, जिनका इलाज नागपुर के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा सुबह करीब 9:30 बजे उस समय हुआ, जब फैक्ट्री परिसर में बनी एक बड़ी एल्युमिनियम पानी की टंकी की टेस्टिंग की जा रही थी। टंकी की क्षमता जांचने के लिए रामा बांध से लाए गए पानी को अत्यधिक दबाव के साथ उसमें भरा जा रहा था। इसी दौरान अचानक जोरदार धमाका हुआ और टंकी फट गई। विस्फोट इतना तेज था कि टंकी का ढांचा पानी के तेज बहाव के साथ ढह गया और पास में काम कर रहे मजदूर उसकी चपेट में आ गए। हादसे में जान गंवाने वाले सभी मजदूर बिहार के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान पश्चिम चंपारण जिले के अरविंद ठाकुर (28) और बुलेट इंद्रजीत शाह (30), पहाड़पुर निवासी अशोक पटेल (42), मुजफ्फरपुर जिले के अजय पासवान (26), सुधांशु कुमार साहनी (36) और शमीम अंसारी (42) के रूप में हुई है। इनमें से दो मजदूर मुजफ्फरपुर जिले से और दो पश्चिम चंपारण जिले से थे, जबकि अन्य अलग-अलग इलाकों के निवासी थे। मुजफ्फरपुर जिले के करजा थाना क्षेत्र के गबसरा गांव के रहने वाले सुधांशु कुमार और अजय कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। इसी गांव के एक अन्य मजदूर प्रकाश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। डॉक्टरों के अनुसार, प्रकाश के पैर में फ्रैक्चर है और सीने में गंभीर चोट आई है। वहीं पश्चिम चंपारण के चनपटिया प्रखंड के मिश्रौली पटखौली गांव के अरविंद कुमार ठाकुर और बुलेट कुमार की भी इस हादसे में मौत हो गई, जिससे पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, फायर ब्रिगेड और आपदा राहत दल मौके पर पहुंचे। मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। कड़ी मशक्कत के बाद सभी घायलों और मृतकों को बाहर निकालकर नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया। फैक्ट्री परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया और काम पूरी तरह ठप हो गया। पुलिस की प्राथमिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि टंकी के निर्माण में तकनीकी खामी रही होगी या घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया होगा, जिसके कारण वह उच्च दबाव सहन नहीं कर सकी। अधिकारियों ने फैक्ट्री प्रबंधन से टंकी के डिजाइन, निर्माण प्रक्रिया और सुरक्षा मानकों से जुड़े दस्तावेज मांगे हैं। मामले की विस्तृत जांच के आदेश दे दिए गए हैं और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही जा रही है। इस दर्दनाक घटना पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

एक नजर

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सासू मां विद्यावती देवी का निधन

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सासू मां, विद्यावती देवी का पटना में निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार चल रही थीं और उनका इलाज पटना स्थित इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) में चल रहा था। उनके निधन की जानकारी मुख्यमंत्री के पुत्र निशांत कुमार ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा की। निशांत ने लिखा कि प्यारी नानी माँ के देहांत की दुखद खबर से मन बहुत व्यथित है। उन्होंने कहा कि वे न केवल एक नानी थीं, बल्कि एक प्यार भरी छाँव थीं, जिनकी कहानियाँ, दुलार और मुस्कान हमेशा उनके दिलों में बसी रहेंगी। निशांत ने यह भी वादा किया कि उनकी सीख को वह कभी नहीं भूलेंगे और नानी माँ जहाँ भी हों, खुश रहें और आशीर्वाद देते रहें। विद्यावती देवी का अंतिम संस्कार बांस घाट, पटना में किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने पुत्र निशांत कुमार के साथ पहुंचे। बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी भी इस अवसर पर मौजूद रहे। उनके निधन से मुख्यमंत्री परिवार में शोक की लहर फैल गई। विद्यावती देवी 90 वर्ष की थीं और लंबे समय से बीमार चल रही थीं। उन्हें IGIMS में भर्ती किया गया था और कल शाम 6:40 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके परिवार और करीबी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके परिवार के सदस्यों ने सोशल मीडिया और सार्वजनिक रूप से अपने दुख व्यक्त किए। निशांत कुमार ने अपनी पोस्ट में नानी माँ की यादों और उनसे मिली सीखों का जिक्र करते हुए उनके सम्मान में भावुक शब्द लिखे।

पटना के पास पुलिस टीम पर हमला थानाध्यक्ष समेत 7 पुलिसकर्मी घायल

पटना। राजधानी पटना से सटे बाढ़ क्षेत्र से एक बड़ी और चिंताजनक खबर सामने आई है। बाढ़ अनुमंडल के सालिमपुर थाना क्षेत्र में पुलिस टीम पर स्थानीय लोगों के हमले की घटना हुई, जिसमें थानाध्यक्ष सहित सात पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन ने इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया और स्थिति पर नियंत्रण पाया। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना उस समय घटी जब पुलिस टीम ने गंगा नदी से लापता व्यक्ति का शव बरामद किया। मृतक की पहचान लखीपुर निवासी कन्हैया शर्मा के रूप में हुई है। कन्हैया शर्मा दो दिन से लापता थे और परिजन शुरू से ही उनके अपहरण और हत्या की आशंका जता रहे थे। परिवार के अनुसार, 16 दिसंबर की शाम कन्हैया शर्मा अपने भाई के साथ रामनगर दियारा इलाके में खेत देखने गए थे। इसी दौरान हथियारबंद कुछ लोग उन्हें जबरन अपने साथ ले गए। इसके बाद परिजनों ने सालिमपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई, जिसमें 14 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया। अब तक इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। शुक्रवार को जब पुलिस ने गंगा नदी से कन्हैया शर्मा का शव बरामद किया, तो स्थानीय लोग पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाने लगे। इस पर गुस्साए ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया और पुलिस पर हमला कर दिया। लोगों ने पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ भी की। इस हिंसक घटना में सालिमपुर थानाध्यक्ष समेत सात पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायलों का इलाज बख्तियारपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में कराया गया।घायल पुलिसकर्मियों में अनंत कुमार, मनोज कुमार, सतीश चंद्र, राजेश गुप्ता सहित अन्य शामिल हैं। एसडीपीओ-2 आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि इलाके में कानून व्यवस्था बनाए रखने और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में अब तक 10 लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पटना के 35 पार्कों में बनेगा हर मौसम के लिए योग शेड, 110 पार्कों में लगेगा एक हजार से अधिक सीसीटीवी

एजेंसी। पटना

पटना में अब सुबह की सैर हो या शाम का योग, शहर के पार्क अब और अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनने जा रहे हैं। राजधानी के हरियाली भरे सार्वजनिक स्थलों को नया रूप देने की तैयारी शुरू हो चुकी है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने घोषणा की है कि शहर के 35 बड़े पार्कों में विशेष योग शेड बनाए जाएंगे। इन शेड्स में लोगों को हर मौसम में योगाभ्यास करने की सुविधा मिलेगी। प्रमुख पार्कों में ईको पार्क, वीर कुंवर सिंह आजादी पार्क, नवीन सिन्हा पार्क, पुनाईचक पार्क, शिवाजी पार्क, अमृत पार्क, मैकडोवेल पार्क, भंवर पोखर पार्क और पुलिस कॉलोनी पार्क शामिल हैं। इन शेड्स के तैयार होने के बाद करीब एक हजार से अधिक लोग प्रतिदिन इन पार्कों में योगाभ्यास कर सकेंगे। सुरक्षा के लिहाज से पटना के 110 पार्कों में एक हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों की निगरानी ईको पार्क से सेंट्रलाइज्ड तरीके से की जाएगी, जिससे किसी भी असुरक्षित घटना पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। इन सुधारों के जरिए न केवल नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए सुविधाजनक माहौल भी मिलेगा। मंत्री डॉ. चंद्रवंशी ने बताया कि इन पार्कों में हरियाली और सौंदर्यीकरण पर भी ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही पार्कों में कचरा प्रबंधन, पेड़-पौधों की देखभाल और नियमित सफाई व्यवस्था भी सुदृढ़ की जाएगी। नगर निगम और संबंधित विभाग पार्कों में व्यायाम उपकरण, बैठने की सुविधाएं और खेल सामग्री भी स्थापित करने पर विचार कर रहे हैं। आने वाले महीनों में इन सभी सुधारों को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा, ताकि पटना के नागरिकों को एक सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक सार्वजनिक स्थान मिल सके।

बिहार में अवैध लकड़ी तस्करी रोकने गई वन टीम पर पथराव, चार वनकर्मी घायल

एजेंसी। पटना

बिहार के मुंगेर जिले में अवैध लकड़ी तस्करी रोकने गई वन विभाग की टीम पर शुक्रवार की संध्या को टमटम चालकों ने हमला कर दिया। मानगढ़झसिंधिया पथ पर चिमनी भट्ठा के पास हुई इस घटना में चार वनकर्मी घायल हो गए और विभागीय वाहन के आगे और पीछे का शीशा टूट गया। रेंजर जंग बहादुर राम के अनुसार, वन विभाग की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि अवैध लकड़ी लदे टमटम इस मार्ग से गुजर रहे हैं। इसके बाद टीम ने मानगढ़झ सिंधिया पथ पर छापेमारी शुरू की और आठ टमटम को रोका। कार्रवाई देखते ही दो टमटम चालक वाहन समेत फरार हो गए, जबकि छह चालक वाहन छोड़कर भाग निकले।जब वनकर्मी जब्त किए गए टमटम लेकर वापस लौट रहे थे, तभी फरार चालक और उनके साथियों ने अचानक पथराव शुरू कर दिया। इस हमले में वन सिपाही विवेक कुमार का दाहिना हाथ गंभीर रूप से जख्मी हो गया। वहीं अभिषेक कुमार, राकेश कुमार और आदेश कुमार को आंशिक चोटें आईं। सभी घायलों का प्राथमिक उपचार धरहरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। रेंजर जंग बहादुर राम ने बताया कि आरोपियों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ वन अधिनियम के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में अब तक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया जा चुका है और एक टमटम जब्त कर लिया गया है। वन विभाग ने चेतावनी दी है कि अवैध लकड़ी तस्करी में शामिल सभी व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग ने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त टीमों की तैनाती और गुप्त छापेमारी अभियान जारी रहेगा। साथ ही, स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि वे अवैध लकड़ी तस्करी की जानकारी तुरंत विभाग को दें, ताकि जंगल और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बिहार में सरकारी स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की तैयारी, नए साल से चरणबद्ध लागू होगा योजना

एजेंसी। पटना

बिहार में सरकारी शिक्षा प्रणाली में सुरक्षा और निगरानी को और सशक्त बनाने के लिए शिक्षा विभाग ने एक महत्वाकांक्षी योजना की शुरूआत करने की कवायद शुरू कर दी है। इस योजना के तहत राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों की कक्षाओं में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। यह योजना लगभग चौदह महीने पहले प्रस्तावित की गई थी, लेकिन अब इसे नए साल से लागू करने की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है। शिक्षा विभाग ने वित्त विभाग को इस योजना को लागू करने के लिए आवश्यक वित्तीय प्रावधानों के साथ प्रस्ताव भेजा है। इस प्रस्ताव के अनुसार, प्राथमिक, मध्य, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों की कक्षाओं में चरणबद्ध तरीके से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इस योजना के जरिए न केवल कक्षाओं में शिक्षा गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी, बल्कि शिक्षकों और छात्रों की सुरक्षा, स्कूलों में अनुशासन, और मध्याह्न भोजन योजना (Mid-Day Meal Scheme) के क्रियान्वयन की निगरानी भी सुनिश्चित की जाएगी।

शिक्षा विभाग के तत्कालीन अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने 10 नवंबर 2024 को इस योजना की जानकारी साझा की थी। उनका कहना था कि राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की पहल छात्रों और शिक्षकों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, योजना के पहले चरण में उच्च माध्यमिक विद्यालयों की बारहवीं कक्षाओं में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसके सफल होने के बाद विभाग ने फैसला किया कि नई प्रक्रिया को आठवीं, नौवीं, दसवीं और ग्यारहवीं कक्षाओं में भी लागू किया जाएगा। इसके बाद प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में चरणबद्ध तरीके से सीसीटीवी कैमरे लगाने का कार्य पूरा किया जाएगा।राज्य में कुल नौ हजार 360 माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय हैं। इसके अतिरिक्त, 40 हजार 566 प्राथमिक विद्यालय और 31 हजार 297 मध्य विद्यालय हैं। इन सभी विद्यालयों की कक्षाओं में सीसीटीवी कैमरे लगाना एक बड़ी चुनौती है, लेकिन शिक्षा विभाग का उद्देश्य है कि प्रत्येक विद्यालय में कक्षाओं की निगरानी सुनिश्चित की जाए। क्योंकि सीसीटीवी कैमरे लगाने में काफी खर्च आता है, इसलिए विभाग ने निचली कक्षाओं में कैमरे लगाने को धीरे-धीरे लागू करने की योजना बनाई है।

बिहार में बढ़ी कनकनी : घने कोहरे से ठंड का प्रकोप बढ़ा, दो दिन तक राहत नहीं

एजेंसी। पटना

बफीर्ली पछुआ हवा का प्रवाह अब मैदानी इलाकों तक फैलने लगा है, जिससे बिहार में ठंड और कनकनी तेजी से बढ़ गई है। पटना समेत राज्य के अधिकांश जिलों में इसका व्यापक असर देखने को मिल रहा है। प्रदेश में पिछले दो दिनों से घने कोहरे के कारण धूप नहीं निकल सकी है, जिससे अधिकतम तापमान में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इसका असर खासतौर पर दोपहर के समय महसूस किया जा रहा है, जब आमतौर पर कुछ राहत मिलती है, लेकिन इस बार दिन में भी ठंड बरकरार है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार और रविवार को भी ठंड का प्रभाव बना रहेगा। उत्तर बिहार के जिलों में घने कोहरे को लेकर चेतावनी जारी की गई है, जबकि दक्षिण बिहार में कनकनी बढ़ने के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि दक्षिण बिहार में कोहरे का असर अपेक्षाकृत कम रहेगा, लेकिन आसमान में बादल छाए रहेंगे। इसके कारण अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से थोड़ा अधिक रह सकता है। इसी वजह से दिन के समय भी लोगों को ठंड का तीखा एहसास होगा। उहालांकि, मौसम में धीरे-धीरे बदलाव के संकेत भी मिल रहे हैं। विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में बीच-बीच में सूरज के दर्शन हो सकते हैं, जिससे लोगों को ठंड से आंशिक राहत मिलने की संभावना है। शुक्रवार को राज्य के 22 जिलों में घना कोहरा छाया रहा, जबकि शेष जिलों में मध्यम स्तर का कोहरा देखा गया। कोहरे और ठंडी हवाओं के कारण पूरे राज्य में शीतलहर जैसे हालात बने रहे। इस बीच ज्यादातर शहरों के न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, लेकिन ठंड का असर कम नहीं हुआ है। राजधानी पटना में शनिवार को भी मध्यम स्तर का कोहरा छाए रहने की संभावना है, जिससे दिनभर कनकनी बनी रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को बादल छाए रहेंगे, लेकिन बीच-बीच में धूप निकलने के आसार हैं। इससे लोगों को ठंड से कुछ राहत मिल सकती है। शुक्रवार को पटना में सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा, जो दोपहर तक मध्यम स्तर का हो गया। लगातार दूसरे दिन धूप नहीं निकलने और कोहरे के

छपरा में 21 दिसंबर तक सभी स्कूल बंद

सारण । जिले में ठंड के प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन ने सख्त फैसला लिया है। जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार शुक्रवार से जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। इसके साथ ही सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में भी शैक्षणिक गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। यह आदेश 21 दिसंबर तक प्रभावी रहेगा। हालांकि, बोर्ड परीक्षा से संबंधित कक्षाओं को इस आदेश से बाहर रखा गया है, ताकि परीक्षाओं की तैयारी पर असर न पड़े। जिला प्रशासन का कहना है कि बच्चों की सेहत सर्वोपरि है और अत्यधिक ठंड में स्कूल जाना उनके लिए जोखिम भरा हो सकता है।

पटना के गांधी मैदान में ट्रेनिंग कैंप चलाने वाले संस्थानों पर नकेल, दूसरी जगह किए गए शिफ्ट

एजेंसी। पटना

पटना के गांधी मैदान में मनमाने ढंग से चलाए जा रहे 60 ट्रेनिंग कैंप पर जिला प्रशासन ने नकेल कस दिया है। इन सभी ट्रेनिंग कैंप को दीघा घाट और कलेक्टोरेट घाट पर शिफ्ट कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने इस फैसले के पीछे का कारण भी स्पष्ट किया है। पटना जिला प्रशासन की तरफ से जारी आदेश में कहा गया कि गाँधी मैदान, पटना में ट्रेनिंग कैंप चलाने वाले संस्थानों की संख्या काफी बढ़ गई थी। पहले में इनकी संख्या 14 थी जो बढ़ कर हाल-फिलहाल के दिनों में 60 हो गई थी। इसके कारण गाँधी मैदान में अत्याधिक भीड़ हो रही थी तथा आम लोगों को काफी समस्या होती थी। बताया जा रहा है कि इस बारे में अनेक व्यक्तियों एवं संस्थाओं द्वारा लिखित रूप से शिकायत भी की गई थी। अतः इन ट्रेनिंग कैम्प्स को जनहित में दीघा घाट एवं कलेक्टोरेट घाट शिफ्ट किया गया है। कोचिंग संस्थानों द्वारा इन घाटों पर विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु शारीरिक अभ्यास/शारीरिक प्रशिक्षण दिया भी जा रहा है। जिला प्रशासन, पटना ने यह स्पष्ट किया है कि गाँधी मैदान, पटना में मॉर्निंग वाक/इवनिंग वाक/व्यक्तिगत अथवा निजी तौर पर दौड़/टहलने इत्यादि पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। गाँधी मैदान आम जनता की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल है जिसके सौन्दर्यीकरण एवं विकास के लिए जिला प्रशासन द्वारा नियमित तौर पर कदम उठाया जाता है।